18

हटरी

हर बुधवार को माँ जब हटरी से लौटती तो मुन्नी और किसना को एक–एक पुड़िया दे देती। वे उसमें से जलेबी, सेव आदि निकालते और खा जाते। माँ हटरी से कई तरह की चीज़ें लाती। हर बुधवार को दोनों माँ के साथ जाने की कोशिश करते लेकिन माँ उन्हें मना कर देती और कहती कि अगली बार ले जाऊँगी।

eUuh vkj fdluk dk ek¡ D;k euk djrh gkxh

मुन्नी ने माँ से पूछा– इतनी सारी चीज़ें हर बुधवार को कहाँ से लाती हो ?

''हटरी से''– माँ ने कहा।

किसना ने पूछा– माँ, ''हटरी क्या होती है ?''

माँ ने किसना व मुन्नी को बताया कि हटरी में सब्जियाँ, खाने–पीने तथा घरों में उपयोग आने वाली चीज़ें मिलती हैं। हटरी में सुबह दुकानें लगती हैं और शाम को हटा ली जाती हैं।

हटरी में आस–पास के गाँवों के लोग आते हैं। वहाँ सबको एक–दूसरे का हालचाल भी पता चल जाता है। माँ ने बताया कि हटरी में आज तुम्हारी मौसी भी आने वाली है। यह सुनकर किसना और मुन्नी उछल पड़े।

दोनों भाई बहनों की हटरी देखने के साथ ही मौसी से मिलने की भी बड़ी इच्छा थी।

**rEgkj vkl&ikl gVjh dgk yxrh g **

**rEgkj ;gk gVjh fdl fnu yxrh g **

---

rEgkj ;gk ij ykx gVjh tku d fy, dku&dku l lk/ku viukr g

---

rEgkj ;gk yxu okyh gVjh e dgk&dgk l ykx vkr g

किसना और मुन्नी भी माँ के साथ हटरी गए। थोड़ी देर बाद उन्हें एक मैदान में खूब सारे लोग दिखाई दिए। किसी के सिर पर थैला था तो किसी के सिर पर टोकरी। कुछ लोग खाली थैला हिलाते चल रहे थे।

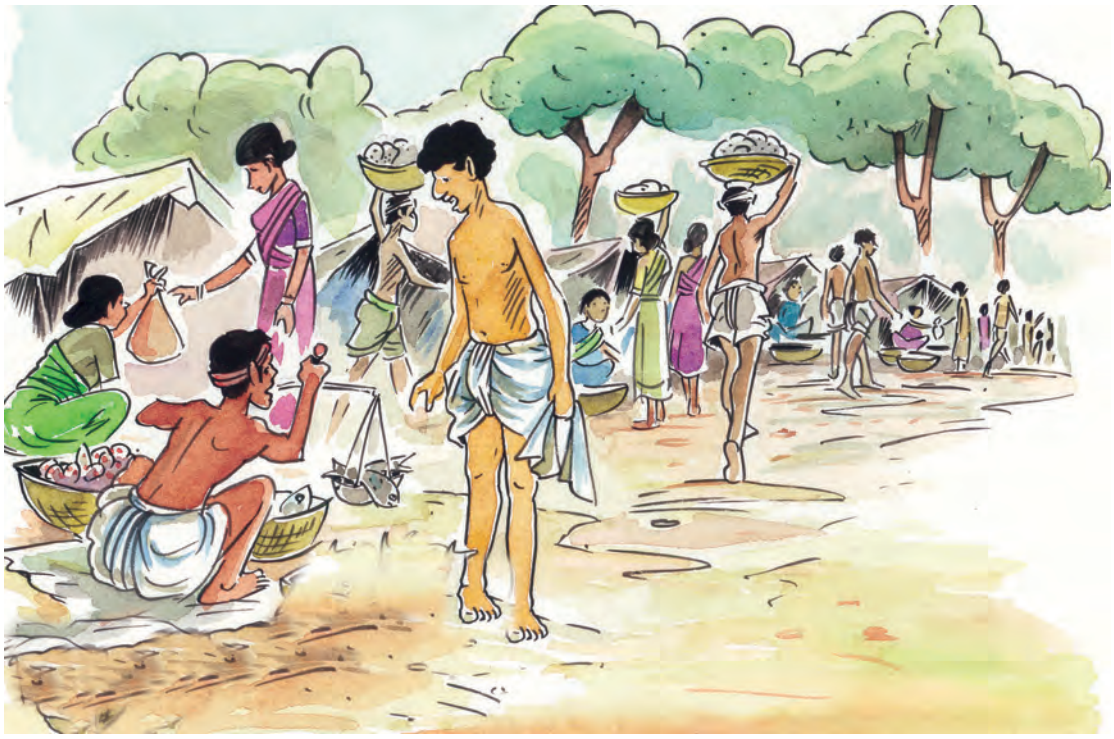

अपने दोस्तों के साथ पास की हटरी में जाओ। और पता करो कि–

gVjh e t#jr dh D;k&D;k pht feyrh g

____

gVjh e ndku yxku oky ykx dgk l vkr g

____

ndkunkjk l iNk fd vkt l nl lky igy yxu okyh vkj vkt yxu okyh gVjh e D;k&D;k Qd vk, g

____

tl fd igy ykx ry] ?kh yku d fy, fMCck dk mi;kx djr FkA lfCt;k Fky e ykr FkA vc fdl e ykr g

____

हटरी में तरह–तरह की सब्जियाँ दिखाई दे रही थीं। करेला, भिण्डी, लौकी, भटा, हरी मिर्च, अदरक ढेर सारी सब्जियाँ थीं। दुकानदार चिल्ला–चिल्ला कर कह रहा था– ताजी–ताजी शिमला मिर्च ले लो।

किसना और मुन्नी ने इतनी शिमला मिर्च पहली बार देखी थीं।

f'keyk fepl

,l h dku&l h pht g tk rEgkj ;gk iSnk ugh gkrh] yfdu gVjh e feyrh g

____

उसी लाइन में आगे जलेबी वाला था। मुन्नी ने कहा– माँ जलेबी खानी है। माँ ने उन्हें 5–5 रुपये दिए। दुकान पर जाकर देखा तो जलेबी के ऊपर मक्खियाँ बैठी थीं। किसना ने कहा– ''हम जलेबी नही खाएँगे''।

gkVyk e feBkb;k vkj uedhu dk efD[k;k vkj /ky l cpku d fy, D;k rjhd viuk, tku pkfg,

____

____

माँ ने कहा– हम केले ले लेते हैं। उसमें न तो मक्खी होगी न ही धूल। केले वालों की लाइन में आए तो केले वाला चिल्ला रहा था। ले–लो मक्खन जैसे केले, चितरी केले, रस्ते का माल सस्ते में।

किसना की माँ ने एक दर्जन केले खरीदे।

हटरी के दूसरे छोर पर कपड़े की दुकान थी, जहाँ पर बच्चों व बड़ों के कपड़े मिल रहे थे।

किसना ने कहा– माँ, मुझे कमीज चाहिए।

माँ ने कहा– पिछले महीने ही तो तुम्हारे लिए कमीज लाई थी। अभी नहीं, कुछ दिन बाद लेंगे।

mu phtk dh lph cukvk tk rEgkj ?kj e gVjh l [kjhn dj ykr g

D;k ; pht rEgkj ;gk gj le; fey ikrh g

---

dku&lh pht ,slh g tk gVjh e gh feyrh g

ठीक इसके सामने की दुकान में ढेर सारे कंघे, ताले, डिब्बियाँ, रिबन, टिकली, तरह–तरह की चूड़ियाँ, काजल आदि रखे हुए थे। माँ ने मुन्नी के लिए का रिबन खरीदा। मुन्नी और खुद के लिए चूड़ियाँ और कंघा खरीदा।

कुछ आगे अनाज की दुकान पर भीड़ लग रही थी। कुछ बैलगाड़ियों में से अनाज खाली हो रहे थे और कुछ में खरीदे हुए अनाज भरे जा रहे थे।

पास ही में खिलौने की दुकान थी। दोनों भाई–बहनों ने कहा– हमें भी खिलौने दिलाओ। माँ ने उन्हें एक चाबी वाली कार तथा गुड़िया दिलाई।

अब शाम होने लगी थी तथा हटरी में आवाज़ें बढ़ गई थीं।

ठेले वाले चिल्ला–चिल्ला कर कह रहे थे। ले–लो सस्ते संतरे, मीठे संतरे, ले–लो मीठे ताजे संतरे।

अँधेरा होने लगा था। माँ ने दोनों से कहा– अब घर चलते हैं।

हटरी की दुकान वाले अपना–अपना हिसाब कर रहे थे और कुछ दुकान वाले अपनी–अपनी चीज़ें समेट रहे थे।

दोनों भाई–बहन ने घर आकर हटरी का चित्र बनाया।

तुम भी अपने यहाँ लगने वाली हटरी का चित्र अपनी कॉपी के पन्ने पर बनाओ और इस चित्र को कक्षा में लगाओ।

तुम्हारे यहाँ हाट/हटरी में कौन–सी दुकानें लगती हैं। वहाँ क्या–क्या मिलता है ?

.....

तुम अपने यहाँ लगने वाली हटरी का अपने शब्दों में वर्णन करो ?

.....

.....

हटरी और शहर के बाज़ार में क्या अंतर होता है? अपने शिक्षक के साथ चर्चा करो।

.....

.....

क्या ठंड, बरसात और गर्मी में हटरी एक जैसी ही लगती है या कुछ फर्क होता है?

.....

.....

यह फर्क क्यों होता है?

.....

नीचे बनी तालिका में लिखो कि हटरी में किस मौसम में क्या–क्या चीज़ें मिलती हैं?

ठंड में	*गर्मी में*	*बरसात में*
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

हमने क्या सीखा

मौखिक

1. गाँव में लोग आवश्यकता की वस्तुएँ कहाँ से खरीदकर लाते हैं?
2. हटरी में मनिहारी की दुकान में कौन–सी वस्तुएँ मिलती हैं?

fyf[kr

1. हटरी में कौन–कौन सी दुकानें लगती हैं?
2. तुमने हटरी में कौन–कौन से फल एवं सब्जियों को बिकते देखा है?
3. हटरी से क्या फायदे होते हैं?
4. हटरी नहीं लगे तो हमें क्या–क्या कठिनाईयाँ हो सकती हैं ?

FCNPP4

[kkt k vkl&ikl

1. हटरी में दुकानदार सामग्रियाँ कहाँ से लाते हैं? पता करो।
2. जब खूब बरसात होती है तो हटरी लगाने में क्या दिक्कतें आती हैं? अपने यहाँ के लोगों से पूछो।
3. जिस तरह से साप्ताहिक हटरी लगती है, क्या तुम्हारे गाँव में सालाना मड़ई भी लगती है? उसमें क्या–क्या होता है? पता करो।